पानी और धूप

एक भूमिका

पानी और धूप नाम की यह कविता सुभद्राकुमारी चौहान की लिखी हुई है। वे एक लेखिका थीं। उन्होंने बच्चों के लिए बहुत सारी कविताएँ लिखी हैं। उनकी लिखी यह कविता तुम अगले पन्ने पर पढ़ोगे।

जिस समय हमारे देश में आज़ादी की लड़ाई ज़ोरों पर चल रही थी उस समय सुभद्रा जी की देश प्रेम की रचनाएँ खूब छपा करती थीं। उनके पति लक्ष्मण सिंह भी आज़ादी की लड़ाई में शामिल होते थे। नमक सत्याग्रह में गिरफ्तार होकर वे साल भर जेल में रह आए थे। उस समय उनके बच्चों को अपने पिता की याद ज़रूर आती होगी।

सुभद्रा जी के बच्चे अक्सर अपने माता–पिता को सभाओं में जाते देखते थे। घर के बाहर जो कुछ वे देखते थे, घर में उनके लिए वो खेल बन जाते थे। जैसे गरमियों की छुट्टियों में उनका एक खेल था – 'सभा का खेल'.

पिता के काम पर चले जाने के बाद उनकी मेज़ सभा मंच बन जाती थी और कमरा सभा का मैदान। आस–पड़ोस के बच्चे भी आ जाते थे। कोई गाँधी बनता, कोई नेहरू और कोई सरोजिनी नायडू बनता था। गाँधी जी चरखा चलाने को कहते, नेहरू जी खद्दर पहनने को कहते थे। कोई बच्चे पुलिस वाले बन जाते थे। जब सभा चल रही होती तो पुलिसवाले झूठमूठ की पिटाई करते भी थे।

सुभद्रा जी बच्चों के इन खेलों को देखतीं और बच्चों के लिए नई–नई कविताएँ लिखती थीं। एक बार ज़ोरों से पानी बरस रहा था। एक बच्चे ने माँ से पूछा, ' अभी–अभी तो धूप थी, ये पानी कहाँ से बरसने लगा? क्या किसी ने शैतानी से बादल का घड़ा फोड़ दिया है?'

'और सूरज अभी से अपने घर क्यों चला गया, क्या उसकी माँ ने उसे पुकारकर बुला लिया है?'

इसी बात को सुभद्राजी ने कविता में ढाल दिया है। ये बच्चे अपने पिता को काका कहते थे। इनके जेल जाने की याद उनके बच्चों के मन में कई दिनों तक रही होगी। अपने काका को दुबारा जेल न जाने की तरकीबें वे अपनी माँ को सुझाते भी होंगे। इस तरह की भावनाओं को भी सुभद्राजी ने अपनी कविता में लिखा है।

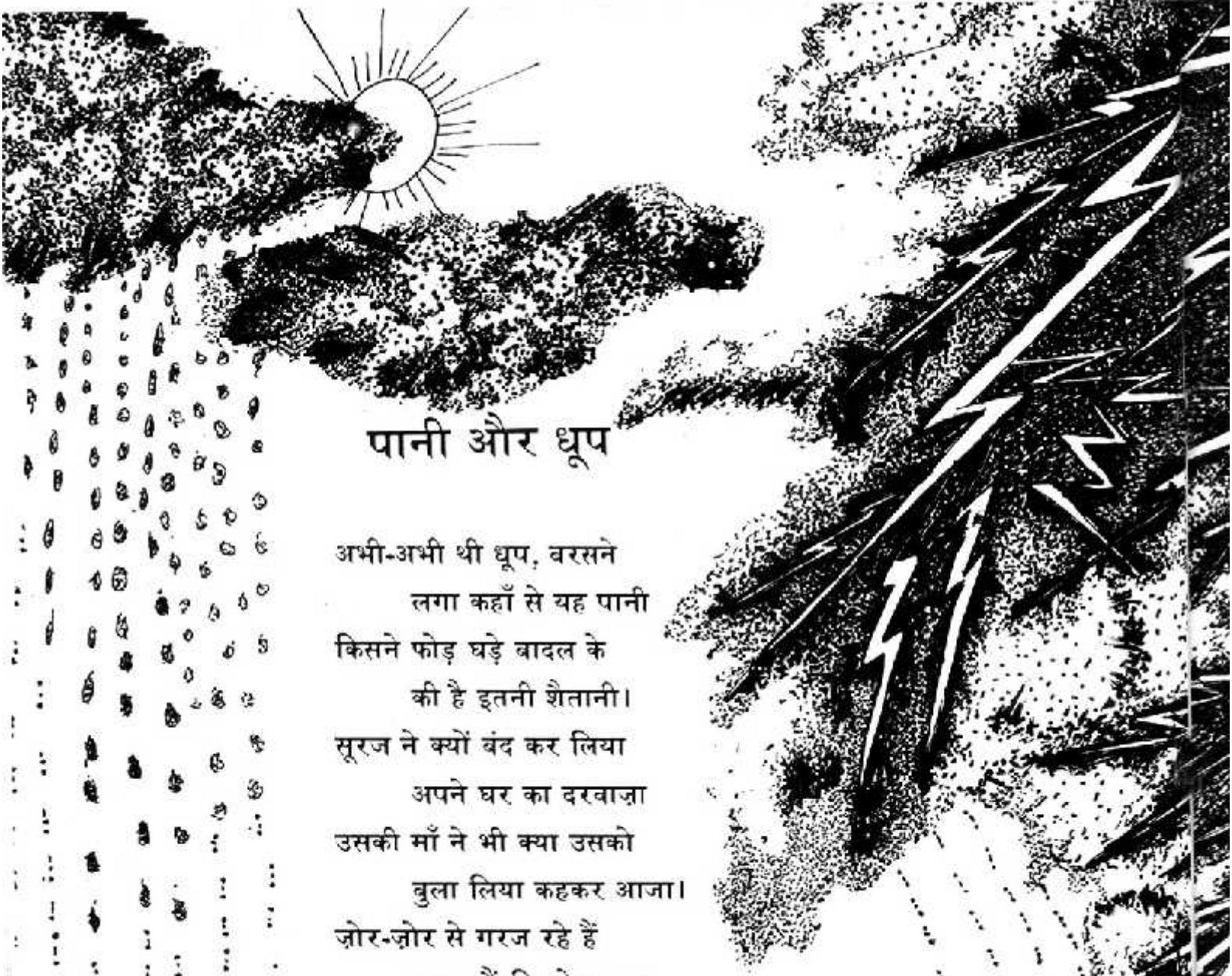

पानी और धूप

अभी-अभी थी धूप, बरसने
लगा कहाँ से यह पानी
किसने फोड़ घड़े बादल के
की है इतनी शैतानी।
सूरज ने क्यों बंद कर लिया
अपने घर का दरवाज़ा
उसकी माँ ने भी क्या उसको
बुला लिया कहकर आजा।
ज़ोर-ज़ोर से गरज रहे हैं
बादल हैं किसके काका
किसको डाँट रहे हैं किसने
कहना नहीं सुना माँ का।

बिजली के आँगन में अम्मा
चलती है कितनी तलवार
कैसी चमक रही है फिर भी
क्यों खाली जाते हैं वार।
क्यों अब तक तलवार चलाना
माँ वे सीख नहीं पाए
इसीलिए क्या आज सीखने
आसमान पर हैं आए।

एक बार भी माँ यदि मुझको
बिजली के घर जाने दो
उसके बच्चों को तलवार
चलाना सिखला आने दो।
खुश होकर तब बिजली देगी
मुझे चमकती सी तलवार
तब माँ कोई कर न सकेगा
अपने ऊपर अत्याचार।

पुलिसमैन अपने काका को
फिर न पकड़ने आएँगे
देखेंगे तलवार दूर से ही
वे सब डर जाएँगे
अगर चाहती हो माँ काका
जाएँ न अब जेलखाना
तो फिर बिजली के घर मुझको
तुम जल्दी से पहुँचाना।
काका जेल न जाएँगे अब
तुझे मँगा दूँगी तलवार
पर बिजली के घर जाने का
अब मत करना कभी विचार।

सुभद्रा कुमारी चौहान

कुछ प्रश्न – कुछ सोच विचार

1. तुम्हें यह कविता कैसी लगी? अपने दोस्तों से इस पर बातचीत करो।

2. क्या तुम अपने शब्दों में इस कविता का सार लिख सकते हो? यदि कुछ बातें समझ में न आएँ तो अपने गुरूजी या दोस्तों से पूछो।

   तुम्हारी मदद के लिए कुछ सवाल –

   (क) यह कविता कौन किससे कह रहा है?

   (ख) कविता कहने वाले के मन में बादल, सूरज, बरसात के बारे में क्या–क्या विचार आ रहे हैं?

   (ग) तुम्हारे विचार में बादल किसके काका (बाबूजी, पिताजी) होंगे?

   (घ) कविता कहने वाला बिजली के बारे में क्या सवाल पूछ रहा है?

   (ङ) वह बिजली के घर से तलवार क्यों लाना चाहता है?

   (च) उसकी माँ बिजली के घर जाने से क्यों मना करती है?

3. इन शब्दों के मतलब / दूसरे शब्द पता करो –

   अत्याचार, सिखला, वार।

4. यह कविता आज़ादी की लड़ाई के समय की है। उस समय की और कविताएँ ढूँढो। जैसे सुभद्रा जी की ही एक और कविता है – 'झाँसी की रानी' ।

5. आजादी की लड़ाई के बारे में और पता करो। जैसे नमक सत्याग्रह क्या था? उस समय लोग जेल क्यों जाते थे? जो लोग उस समय जेल जाते थे, उन्हें 'स्वतंत्रता संग्राम सेनानी' कहते हैं। क्या तुम अपने आसपास के किसी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी को जानते हो? उनसे स्वतंत्रता संग्राम के बारे पता करो, किस्से पूछो।

6. चित्र बनाओ – पुलिसवाला बच्चे के काका को पकड़कर ले जा रहा है।

आओ, कुछ और अभ्यास करें :

इन लाइनों का क्या मतलब है – उस समय के माहौल के बारे में क्या समझ में आता है?

किसने फोड़ घड़े बादल के – ऐसा लगता है कि बहुत तेज़ और खूब सारा पानी गिर रहा होगा।
की है इतनी शैतानी।

सूरज ने क्यों बन्द कर लिया
अपने घर का दरवाज़ा –

बिजली के आँगन में अम्मां
चलती है कितनी तलवार –

बच्चे को बादल किस के तरह लग रहे हैं?

बच्चा बिजली के घर क्यों जाना चाहता है?

जो चमकती हुई तलवार बिजली उसे देगी उससे बच्चा क्या करना चाहता है?

क्या सूरज की भी माँ होती होगी जो उसे घर के अंदर बुला कर दरवाज़ा बंद कर लेती होगी?
तुम्हें क्या लगता है ?

इन वाक्यों को पढ़ कर बताओ ये किसके बारे में बता रहे हैं। हर समूह के नीचे लिखो।

1. गगन में सूर्य चमक रहा है।
   अम्बर नीला है।
   आकाश बहुत ऊपर है।
   नभ में ढेरों तारे हैं।

2. जल ही जीवन है।
   पहाड़ी नदी का नीर ठंडा होता है।
   वारि बिन सब सून।
   दूध में पानी मिला है।

3. यह मेरा मकान है।
   स्मृति के घर में दो कमरे हैं।
   हम अपने निवास स्थान पर थे।
   वह गृह निर्माण कार्य में लगा है।

4. कुछ लोग मिट्टी को जननी मानते हैं।
   वो राम की माताजी हैं।
   मेरी माँ कहाँ है ?
   मैं अपनी अम्मां को मम्मी बुलाती हूँ।

5. ग्रहण में सूर्य छिप जाता है।
   गर्मी में रवि की धूप तेज़ होती
   दिनकर रात में छिप जाता है ?

6. आज रात को तुम आना
   बीच रात्रि मेरी नींद खुल ग

इन शब्दों के ही मतलब वाले और कौन–कौन से शब्द ऊपर मिले? तुम और शब्द जानते हो तो यहाँ लिखो।

आसमान ----------

पानी ----------

घर ----------

अम्मां ----------

सूरज ----------

रात ----------

कविता कहने वाले ने कई प्रश्न पूछे। उनकी सूची बनाओ। उनमें से प्रश्नवाचक शब्द अलग लिखो।

प्रश्न	प्रश्नवाचक शब्द
----------	-------
----------	-------
----------	-------

वाक्य पढ़कर पहचानो कि रेखांकित शब्दों का लिंग क्या है।

वाक्य	लिंग (पुल्लिंग/स्त्रीलिंग)
अभी–अभी थी धूप	------
बरसने लगा <u>पानी</u>	------
सूरज ने बंद किया घर का <u>दरवाज़ा</u>	------
बादल ज़ोर–ज़ोर से गरज रहे हैं	------
चलती है कितनी <u>तलवार</u>	------
बिजली देगी मुझे चमकती सी तलवार	------
उसकी <u>माँ</u> ने भी उसको बुला लिया।	------
<u>काका</u> जेल न जाएँगे।	------

सही शब्द चुनकर इन वाक्यों को पूरा करो।

बारिश के बाद तेज़ धूप निकल ---।	(गया/गई/गइ)
दरवाज़ा--- है।	(खुला/खुली/खुलें)
तलवार चमक--- है।	(रही/रहा/रहे)
माँ खूब--- हैं।	(हंसती/हंसता/हंसते)
काका काम---- हैं।	(करते/करता/करती)
बादल ----दिख रहे हैं।	(काली/काला/काले)
नल से पानी ----- है।	(बह रहा/बह रही/बह रहे)